RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 17 MAY TO 23 MAY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 34 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

नमक, सुई, प्लेन के बाद अब iPhone भी बना रहा TATA
Page 2

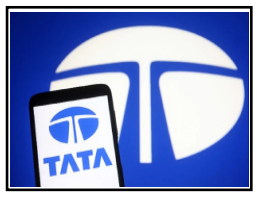

फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन से टैक्स चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का फैसला
Page 4

उच्च पेंशन चुनने पर ईपीएस फंड में होगी वृद्धि, पर घटेगा ईपीएफ
Page 5

editoria!

मध्य-पूर्व में भारत

ऐतिहासिक रूप से भारत और मध्य-पूर्व (पश्चिम) एशिया के बीच अच्छे संबंध रहे हैं. हाल के वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों, मिस्र, इजरायल आदि के साथ व्यापारिक और कूटनीतिक संबंधों में मजबूती आयी है. उल्लेखनीय है कि भारत ईरान और पांच मध्य एशियाई देशों के साथ भी निकटता बढ़ाने के प्रयास कर रहा है. मध्य-पूर्व में भारत और अमेरिका के परस्पर सहयोग में भी गति आयी है. इस दिशा में 'आई 2यू2' समूह का गठन बड़ी पहल है, जो कुछ समय से कार्यरत है. इसमें भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल शामिल हैं. पिछले साल इस समूह की बैठक में भारत और मध्य-पूर्व से संपर्क घनिष्ठ करने के लिए रेल, सड़क और समुद्री मार्ग का नेटवर्क बनाने का विचार आया था. भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष पदाधिकारियों के साथ बैठक कर यातायात इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर चर्चा की है. इस पहल का महत्व इसलिए और अधिक बढ़ जाता है कि उक्त बैठक में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने भी भागीदारी की. उल्लेखनीय है कि सऊदी अरब 'आई2 यू2' समूह का सदस्य नहीं है क्योंकि उसके और इजरायल के बीच औपचारिक कूटनीतिक संबंध नहीं हैं. हाल के वर्षों में अमेरिका की कोशिशों से अरब देशों और इजरायल के आपसी रिश्तों में बड़ा सुधार आया है. सऊदी अरब और इजरायल के बीच भी संपर्कों में तेजी आयी है. ऐसे में भारत द्वारा रेल, सड़क और समुद्री मार्गों का नेटवर्क विकसित करना वैश्विक अर्थव्यवस्था, विशेषकर पश्चिमी और दक्षिणी एशिया की आर्थिकी के लिए बड़ा कदम साबित हो सकता है. मध्य एशिया और इजरायल के साथ चीन के भी अच्छे संबंध हैं. इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और पूंजी निवेश के माध्यम में चीन मध्य एशिया में अपना वर्चस्व स्थापित करने का प्रयास लंबे समय से कर रहा है. विश्लेषकों का आकलन है कि 'आई2 यू2' समूह के माध्यम से हो रही यह पहल भविष्य में हिंद-प्रशांत क्षेत्र और मध्य-पूर्व एशिया में चीन के दबदबे को बढ़ने से रोकने में बड़ी भूमिका निभा सकती है. चीन मध्य और मध्य-पूर्व एशिया से होते हुए यूरोप तक अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए बेल्ट- रोड परियोजना को विस्तार दे रहा है. स्वाभाविक रूप से इससे उसका राजनीतिक, कूटनीतिक और सामरिक प्रभाव बढ़ा है, पर विभिन्न अर्थव्यवस्थाएं चीनी कर्ज के दबाव में भी आ रही हैं. इस स्थिति में संतुलन स्थापित करने में भारत और 'आई2यू2' समूह की पहल महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकती है.

तेल पाइपलाइनों के विकास के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर भारत

2,824 किलोमीटर में कर रहा है विस्तार

नई दिल्ली। एजेंसी

दुनिया भर में तेल पाइपलाइनों के किए जा रहे विस्तार के मामले में भारत, अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है। पता चला है कि देश करीब 1,630 किलोमीटर लम्बी तेल पाइपलाइनों के निर्माण में लगा हुआ है। वहीं भारत द्वारा 1,194 किलोमीटर लम्बी तेल पाइपलाइन प्रस्तावित हैं। यह जानकारी अंतराष्ट्रीय संगठन ग्लोबल एनर्जी मॉनिटर द्वारा जारी रिपोर्ट में सामने आई है। जो ग्लोबल आयल इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रैकर 2023 के वार्षिक सर्वेक्षण पर आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार निर्माणाधीन और प्रस्तावित तेल पाइपलाइनों के मामले में भारत के साथ अन्य चार प्रमुख देश अमेरिका, इराक, ईरान और तंजानिया हैं। वहीं वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया भर में करीब 9,130.88 किलोमीटर लम्बी तेल पाइपलाइनें निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। वहीं 21,929.28 किलोमीटर लम्बी पाइपलाइनें प्रस्तावित हैं।

इन पाइपलाइनों के विकास पर होने वाले खर्च को देखें तो वो करीब 10.8 लाख करोड़ रुपए (13,190 करोड़ डॉलर) से ज्यादा है। इन पाइपलाइनों के विकास में लगे पांच प्रमुख देशों के आंकड़ों को देखें तो इसमें पहले स्थान पर अमेरिका है, जो करीब 2834.06 किलोमीटर लम्बी तेल लाइनों के विस्तार में लगा हुआ है। इसके बाद दूसरे स्थान पर भारत और फिर 2463.78 किलोमीटर के साथ इराक तीसरे स्थान पर है। इसी तरह ईरान में 2,035 और तंजानिया में 2,025.4 किलोमीटर लम्बी तेल पाइपलाइनें प्रस्तावित या निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। भारत कच्चा तेल ढोने के लिए कुल मिलकर 9,051.17 किलोमीटर लम्बी तेल पाइपलाइनों का निर्माण कर चुका है, जबकि 1,338 किलोमीटर लम्बी पाइपलाइनों को रद्द कर दिया है।

वहीं यदि क्षेत्रीय तौर पर देखें तो अफ्रीका और मध्य पूर्व इस मामले में सबसे आगे हैं। जिनकी इन निर्माणाधीन और प्रस्तावित तेल पाइपलाइन परियोजनाओं में 49 फीसदी की हिस्सेदारी है। इन दो क्षेत्रों में 4,400 किलोमीटर लम्बी पाइपलाइनें निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं जिनकी कुल लागत करीब 118,428 करोड़ रुपए (1,440 करोड़ डॉलर) है। साथ ही इन क्षेत्रों में 491,807 करोड़ रुपए (5,980 करोड़ डॉलर) के खर्च पर बनने वाली पाइपलाइनें प्रस्तावित हैं। सबसे लम्बी परियोजनाओं में भारत की पारादीप नुमालीगढ़ क्रूड पाइपलाइन भी है शामिल वैश्विक स्तर पर देखें तो करीब 31,060.16 किलोमीटर लम्बी परियोजनाएं निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती हैं। आंकड़ों के मुताबिक तेल पाइपलाइनों के विकास में लगी शीर्ष पांच कंपनियां या तो राज्य के आधीन या फिर निजी हैं। इनमें ईरान का पेट्रोलियम मंत्रालय, चीन का राष्ट्रीय पेट्रोलियम निगम, इराक का तेल मंत्रालय, भारत की नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड और फ्रांस की टोटल एनर्जी शामिल हैं।

पता चला है कि निर्माण के विभिन्न चरणों में जो पाइपलाइन परियोजनाएं सबसे लम्बी हैं उनमें भारत और भारत की पारादीप नुमालीगढ़ क्रूड पाइपलाइन (पीएनसीपीएल) है। इस परियोजना की कुल लम्बाई 1,630 किलोमीटर और होने वाला अनुमानित खर्च 400 करोड़ डॉलर है। वहीं 1,950 किलोमीटर लंबी नाइजर-बेनिन तेल पाइपलाइन इस मामले में सबसे लम्बी परियोजना है। यह दोनों ही परियोजनाएं 2024 तक पूरी हो सकती हैं।

वहीं तीसरे नंबर पर कनाडा की ट्रांस माउंटेन ऑयल पाइपलाइन है जो 980 किलोमीटर लम्बी है। इसके 2023 में शुरू होने की सम्भावना है। वहीं प्रस्तावित परियोजनाओं की लिस्ट में भारत की एक और परियोजना न्यू मुंद्रा-पानीपत आयल पाइपलाइन का भी जिक्र है, जो 1,194 किलोमीटर लम्बी है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत करीब 9,869 करोड़ रुपए (120 करोड़ डॉलर) है।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में आया बड़ा उछाल, 7.2 अरब डॉलर बढ़कर 595.98 पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में इजाफा हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच मई को समाप्त सप्ताह में 7.196 अरब डॉलर उछलकर 595.976 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 4.532 अरब डॉलर घटकर 588.78 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाओं के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपये के बचाव के लिए मुद्राभंडार के उपयोग से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, पांच मई को समाप्त सप्ताह में, मुद्राभंडार का अहम हिस्सा, विदेशीमुद्रा आस्तियां 6.536 अरब डॉलर बढ़कर 526.021 अरब डॉलर हो गई।

इन प्रभावों को किया जाता है शामिल

डॉलर में अभिव्यक्त किये की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 65.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 46.315 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.447 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में रखा देश का मुद्रा भंडार दो करोड़ डॉलर बढ़कर 5.192 अरब डॉलर हो गया।

Credit Card: एसबीआई कार्ड ने पूरे किए 25 वर्ष

इन बड़े ब्रांड्स पर मिल रहे हैं आकर्षक ऑफर्स

नई दिल्ली। एजेंसी

एसबीआई कार्ड ने एक नई उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। साल 1998 में क्रेडिट कार्ड उद्योग में कदम रखने वाली एसबीआई कार्ड का उद्देश्य था भारतीय भुगतान परिदृश्य का स्वरूप बदलना। साल 2002 तक कंपनी ने 10 लाख एक्टिव कार्ड्स का आंकड़ा पार कर लिया था। ईएमवी चिप आधारित कार्ड और 'एसबीआई कार्ड पे' से लेकर कार्ड जारी करने की पूर्णतः डिजिटल प्रणाली तक, कंपनी के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने यह सुनिश्चित किया है कि इसके उत्पादों को लेकर कार्डधारकों का अनुभव समय के साथ और भी अच्छा हो।

अपने ग्राहकों की विभिन्न प्रकार की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए एसबीआई कार्ड 60 से भी अधिक क्रेडिट कार्ड्स उपलब्ध कराता है। उभरता हुआ बाजार, उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव, क्रय शक्ति में बढ़ोतरी, और अच्छी ब्रांड इमेज के कारण मार्च 2023 तक एसबीआई कार्ड का 1.6 करोड़ से अधिक का एक्टिव क्रेडिट कार्ड बेस है। इस शानदार सफर के लिए एसबीआई कार्ड अपने ग्राहकों का तहे दिल से शुक्रिया करता है और इस जश्न में उनको शामिल करने के लिए ट्रैवेल, एंटरटेनमेंट, ज्वेलरी, फैशन, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि कई श्रेणियों में अनेकों ऑफर्स लेकर आया है।

ढेरों ऑफर्स

यदि आप नए गैजेट्स के शौक़ीन हैं तो एसबीआई कार्ड आपके लिए 'एलजी' और 'सैमसंग' के उत्पादों पर लाया है आकर्षक ऑफर्स, जैसे क्रमशः 26% तक का इंस्टेंट डिस्काउंट व 27.5₹ तक का कैशबैक। यह ऑफर्स 1 मई से 30 जून तक वैध हैं। यदि आप फैशन की दुनिया में रुचि रखते हैं और नए कपड़े खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो एसबीआई कार्ड आपको 'अजिओ' और 'मिंत्रा' जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 10% का इंस्टेंट डिस्काउंट दे रहा है। यह ऑफर 15 मई से 21 मई 2023 तक वैध है। यदि आप सैर-सपाटे के शौक़ीन हैं और कहीं घूमने जाने के बारे में सोच रहे हैं तो एसबीआई कार्ड के पास आपके लिए भी कई खास ऑफर्स हैं। 16 मई से 27 जून तक, हर मंगलवार को 'इक्सिगो' प्लेटफॉर्म से डोमेस्टिक फ्लाईट बुकिंग पर आप 15₹ की बड़ी छूट पा सकते हैं। इतना ही नहीं, 20 मई से 25 जून तक, हर शनिवार और रविवार को 'क्लियरट्रिप' प्लेटफॉर्म से डोमेस्टिक फ्लाईट बुकिंग पर आप 12₹ डिस्काउंट का लाभ उठा सकते हैं। तो आज ही प्लान बनाएं और पूरा करें अपने पसंदीदा डेस्टिनेशन पर छुट्टी मनाने का सपना।

डिस्काउंट भी

यदि आप दोस्तों को घर पर पार्टी के लिए बुलाने का सोच रहे हैं या आपको खाना बनाने का शौक नहीं है तो घबराने की कोई बात नहीं। एसबीआई कार्ड 'स्विग्गी' से खाना आर्डर करने पर 15₹ डिस्काउंट और 'डोमिनोज़' ऐप पर 200 रुपये का डिस्काउंट उपलब्ध करा रहा है। यह ऑफर 15 मई से 21 मई 2023 तक वैध है। विभिन्न श्रेणियों में अनेकों प्रकार के ऑफर्स प्रदान कर एसबीआई कार्ड ने अपने कार्डधारकों को खरीदारी का एक बेहतर अनुभव प्रदान किया है। ज़ाहिर है कि अगर आप अपनी पसंद का कुछ खरीद रहे हैं तो उस पर ऑफर मिलने से आपको दोगुनी खुशी होती है। तो अपनी शॉपिंग लिस्ट तैयार कर लीजिये और एसबीआई कार्ड के 25 वर्ष पूरे होने के जश्न में शामिल हो जाइए।

ग्रीनफील्ड रिफाइनरी परियोजना के लिए रूस-भारत संयुक्त उद्यम

एजेंसी

रूसी ऊर्जा दिग्गज, रोसनेफ्ट ने स्थानीय राज्य के स्वामित्व वाली रिफाइनर के साथ साझेदारी में भारत में एक नई रिफाइनरी स्थापित करने का इरादा व्यक्त किया है। संभावित सहयोग के संबंध में रोसनेफ्ट और भारत सरकार के अधिकारियों के साथ-साथ राज्य द्वारा संचालित रिफाइनर के अधिकारियों के बीच प्रारंभिक चर्चा हुई है। रोसनेफ्ट घरेलू रिफाइनरों के साथ एक संयुक्त उद्यम के माध्यम से भारत में एक ग्रीनफील्ड रिफाइनरी बनाने की मांग कर रहा है, रोसनेफ्ट के साथ नया उद्यम रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी द्वारा संचालित मौजूदा गुजरात रिफाइनरी से अलग होगा।

हालांकि यह अनिश्चित है कि कौन सा भारतीय रिफाइनर रोसनेफ्ट के साथ साझेदारी करेगा, संभावित उम्मीदवारों में इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम कॉर्प लिमिटेड शामिल हैं। ज़ंजीर। रोसनेफ्ट और भारतीय रिफाइनरों के बीच संभावित संयुक्त उद्यम भारतीय ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विकास का प्रतीक है, जो रिफाइनरी विस्तार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है।

नमक, सुई, प्लेन के बाद अब iPhone भी बना रहा TATA

फोन कैसा होगा, आप समझ ही रहे होंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

नई दिल्ली: देश के प्रमुख औद्योगिक घरानों में शामिल टाटा ग्रुप (Tata Group) ने देश में ऐपल (Apple) का आईफोन (iPhone) बनाना शुरू कर दिया है। ऐपल के सीईओ टिम कुक पिछले महीने भारत की यात्रा पर आए थे। इस दौरान उनकी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के साथ मुंबई में बैठक हुई थी। माना जाता है कि इस बैठक में दोनों के बीच भारत में मेगा इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग प्लान के बारे में लंबी बातचीत हुई थी। एक रिपोर्ट केमुताबिक ऐपल ने भारत में iPhone 15 सीरीज को बनाने के लिए टाटा ग्रुप से हाथ मिलाया है। इतना ही नहीं ऐपल की इस नई सीरीज के मेक इन इंडिया फोन को इस साल के आखिर में लॉन्च किया जा सकता है। इससे पहले भारत में फॉक्सकॉन, पेगाट्रॉन और लक्सशेयर जैसी कंपनियां ग्ज्प्दहा की असेंबलिंग करती रही हैं, लेकिन अब इस रेस में टाटा ग्रुप भी शामिल हो गया है। टाटा ग्रुप भारत में iPhone बनाने वाली चौथी कंपनी होगी। टाटा ग्रुप ने विस्ट्रॉन की इंडियन प्रॉडक्शन लाइन का अधिग्रहण कर लिया है, जहां ग्ज्प्दहा 15 सीरीज को असेंबल किया जाएगा। विस्ट्रॉन कथित तौर पर भारतीय बाजार से बाहर निकलने के लिए कमर कस रही है। टाटा ने कंपनी की प्रॉडक्शन लाइन का अधिग्रहण कर लिया है, इसलिए यह भारत में आईफोन मैन्युफैक्चरिंग के लिए नया कॉन्ट्रैक्ट पार्टनर बन जाएगा। ताइवान की कंपनी विस्ट्रॉन का प्लांट बेंगलुरु के बाहर नरसापुरा में है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा समूह

भारत में Apple के लिए ग्ज्प्दहा 15 और 15 Plus का एक छोटा सा हिस्सा असेंबल करेगा। समूह Apple के 2023 ग्ज्प्दहा मॉडल का केवल 5 प्रतिशत ही असेंबल करेगा। वहीं बाकी कंपनियों- फॉक्सकॉन, लक्सशेयर और पेगाट्रॉन के पास इसका प्राइमरी हिस्सा होगा। ऐपल ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहती है। चीन के मुकाबले में ऐपल ने भारत को चुना है। इसकी वजह भारत में स्मार्टफोन का एक बड़ा मार्केट है। साथ ही भारत टेक्नोलॉजी हब के तौर पर विकसित हो रहा है। ऐसे में भारत में ग्ज्प्दहा 15 की असेंबलिंग का दोहरा फायदा है। अमेरिका की कंपनी ऐपल से उम्मीद की जा रही है कि वह इस साल सितंबर में Apple iPhone 15 सीरीज़ को लॉन्च कर सकता है।

विस्ट्रॉन की योजना

हालांकि अभी इस बात को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है कि विस्ट्रॉन बेंगलुरु प्लांट से पूरी तरह बाहर हो जाएगी या नहीं। सूत्रों का कहना है कि ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक सामान बनाने वाली ताइवान की इस कंपनी ने ऐपल के कामकाज से पूरी तरह बाहर निकलने का फैसला किया है और अब उसका फोकस दूसरे बिजनस पर रहेगा। कंपनी भारत में ऐपल के इतर दूसरे प्रॉडक्ट्स में अपनी संभावना तलाशेगी। ऐपल के आईफोन की मैन्यूफैक्चरिंग में टाटा ग्रुप के एंट्री के बारे में एक सूत्र ने बताया कि टाटा के कुछ चुनिंदा अधिकारी पहले ही विस्ट्रॉन की फैक्ट्री में काम कर रहे हैं। ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और विस्ट्रॉन तथा ऐपल के अधिकारियों की इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर करीबी नजर है। इस बारे में टाटा ग्रुप और ऐपल को भेजे गए सवालों का कोई जबाव नहीं आया।

सूत्रों के मुताबिक टाटा ने पहले ही विस्ट्रॉन की फैसिलिटी में आईफोन बनाना शुरू कर दिया है। ग्रुप के अधिकारी और प्रतिनिधि ऑपरेशंस, एचआर और एडमिनिस्ट्रेशन के काम में शामिल हैं। उन्हें ऑपरेशंस और प्रोसेसेज की ट्रेनिंग दी जा रही है। माना जा रहा है कि ऐपल को भारत में मैन्यूफैक्चरिंग के लिए प्रोत्साहित करने में केंद्र सरकार की अहम भूमिका है। ऐपल चीन से बाहर बड़ा प्रॉडक्शन हब विकसित करना चाहती है। इसके लिए कंपनी भरोसेमंद भारतीय कंपनियों को मैन्यूफैक्चरिंग जैसे कामों में शामिल करना चाहती है। टाटा के साथ डील उसकी इसी मुहिम का हिस्सा है।

तेलंगाना में करेगी 4,116 करोड़ का निवेश Foxconn

इस बीच ऐपल की सप्लायर फॉक्सकॉन तेलंगाना में करीब 4,116 करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इतना ही नहीं, फॉक्सकॉन के इस प्रोजेक्ट के पहले स्टेज में 25,000 हजार नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। तेलंगाना के नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी राम राव ने घोषणा की है कि ऐपल के उत्पाद बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन तेलंगाना में $500M का निवेश करेगी और फॉक्सकॉन का संयंत्र हैदराबाद के पास रंगारेड्डी जिले के कोंगर कलान में बनेगा।

ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल की ओर से पीजीडीएम कार्यक्रम के लिए आवेदनों की मांग

शैक्षणिक वर्ष 2023 के लिए प्रवेश प्रारंभ

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल, कांदिवली की ओर से उनके पोस्ट ग्रैज्युएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) इस कार्यक्रम के साल 2023-24 के प्रवेश हेतु प्रक्रिया की शुरुआत करनें की घोषणा की गई है. इच्छूक उम्मीदवार प्रवेशफॉर्म पर क्लिक कर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। काऊन्सेलिंग सोमवार से शनिवार सुबह 10 से शाम 5.30 तक उपलब्ध होगा। ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल ने हरदम भविष्य में नेताओं का सक्षम समाज बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर दिया है। इस कार्यक्रम का डिज़ाईन व्यावसायिकता की नींव मजबूत करतें हुए मार्केटिंग, फाईनान्स, ह्युमन रिसोर्स और ऑपरेशन्स मैनेजमेंट जैसे क्षेत्र में विशेष प्राविण्य प्राप्त करने हेतु किया गया है। ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल सर्वोत्तम बुनियादी सुविधाएं, आंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी प्रशिक्षक और औद्योगिक क्षेत्र की जरुरतों के अनुसार अभ्यासक्रम के लिए मशहूर है। संस्था ने हरदम भविष्य के पेशेवर नेताओं को बनाने पर जोर दिया है तथा विश्व स्तर पर व्यवसाय में वृध्दी, नवीनता और शाश्वत विकास पर जोर दिया है। आवेदकों को जल्द से जल्द आवेदन करनें के लिए प्रोत्साहीत किया जा रहा है. जिस से उन्हें ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल में प्रवेश प्राप्त हो सकें। ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल की संचालिका एवं इनचार्ज डॉ. सुरभी गौतम ने कहा भविष्य में मशहूर पेशेवर नेताओं को ठाकूर ग्लोबल बिज़नेस स्कूल में आमंत्रित करतें हुए हमे खुशी हो रही है। विश्व के व्यावसायिक पटल पर यशस्वी होने के लिए आवश्यक कुशलता देनें के लिए तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण देने हेतु हम वचनबध्द है। यह अभ्यासक्रम इस प्रकार से डिज़ाईन किया गया है जिस से व्यवसाय में पदवीधर निर्माण होकर व्यवसाय क्षेत्र में लगातार बदलते हुए चुनौतीयों का वे मुकाबला कर सकें।

चैटजीपीटी जैसी एआई टेक्नोलॉजी पर लगाम लगाएगी सरकार, जानिए क्या है प्लान

नई दिल्ली। एजेंसी

देश और दुनिया में चैटजीपीटी जैसे एआई-इनेबल्ड स्मार्ट टेक प्लेटफॉर्म्स का चलन तेजी से बढ़ रहा है। दुनियाभर की सरकारें इस बात पर माथापच्ची कर रही हैं कि इस पर कैसे लगाम लगाई जाए। भारत सरकार भी इससे बेखबर नहीं है। सरकार इसके लिए रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने पर विचार कर रही है। उसका कहना है कि इस बारे में जो भी कानून बनाया जाएगा, वह दूसरे देशों के कानूनों के मुताबिक होगा। कम्युनिकेशंस एंड आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि एआई प्लेटफॉर्म्स का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया के कई देश इस

पर नजर रखे हुए हैं। दुनियाभर के देशों के बीच चर्चा के बाद इस बारे में एक फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है।

वैष्णव ने कहा कि पूरी दुनिया इस बारे में चर्चा कर रही है कि इसके लिए क्या फ्रेमवर्क और रेगुलेटरी सेटअप होना चाहिए। जी7 देशों के डिजिटल मिनिस्टर इस बात को लेकर गंभीर हैं कि इसके लिए किस तरह का रेगुलेटरी फ्रेमवर्क होना चाहिए। इसलिए यह दुनिया का विषय है। यह किसी एक देश का मुद्दा नहीं है। इसे अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस बारे में विभिन्न देशों के बीच विचारों का आदान-प्रदान जारी रहेगा। जब उनसे पूछा गया कि चैट जीपीटी जैसे एआई चैट प्लेटफॉर्म्स को लेकर क्या समस्याएं हैं, तो उन्होंने कहा कि ये आईपीआर, कॉपीराइट और अलगॉरिद्म को लेकर पूर्वाग्रह से जुड़ी हैं। इस तरह के कई मुद्दे हैं। यह बहुत बड़ा फील्ड है। क्या इस विषय पर अलग कानून की जरूरत है, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस पर सभी देशों को एक को-ऑपरेटिव फ्रेमवर्क बनाने की जरूरत है।

चैटजीपीटी की बढ़ती लोकप्रियता

चैटजीपीटी को स्टार्टअप कंपनी ओपनएआई (OpenAI) ने विकसित किया है। इसे पिछले साल के अंत में लॉन्च किया गया था और पहले पांच दिन में ही इसके 10 लाख से अधिक यूजर बन गए थे। माइक्रोसॉफ्ट (Microsoft) ने इस कंपनी में अरबों डॉलर का निवेश किया है। साथ ही उसने अपने प्रॉडक्ट्स में इस टेक्नोलॉजी को इंटिग्रेट किया है। गूगल (Google) भी अपना जेनेरेटिव एआई टूल Bard को विकसित कर रहा है। लेकिन दुनियाभर के रेगुलेटर्स इस तरह की टेक्नोलॉजी की बढ़ती लोकप्रियता, स्वीकार्यता और बढ़ते चलन से चिंतित हैं। उनकी चिंता यह है कि इससे लोगों को गुमराह किया जा सकता है, फर्जी खबरें फैलाई जा सकती हैं, कॉपीराइट का उल्लंघन किया जा सकता है और लाखों नौकरियों से हाथ धोना पड़ सकता है।

यूरोपियन और अमेरिकन रेगुलेटर्स इस तरह की स्मार्ट टेक्नोलॉजी पर लगाम कसने के लिए पहले ही कानून बनाने पर विचार कर रहे हैं। सोमवार को ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने अमेरिकी संसद में अपनी पेशी में कहा कि पावरफुल एआई सिस्टम के खतरों को कम करने के लिए सरकार की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने कहा, 'लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि टेक्नोलॉजी के एडवांस होने से उनका जिंदगी जीने का तरीका बदल जाएगा। इसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता है और हम भी इससे चिंतित हैं।'

फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन से टैक्स चोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई का फैसला

नई दिल्ली। एजेंसी

जो लोग फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन कराने के बाद उसके आधार पर फर्जी रसीदों के सहारे इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) के दावे करते हैं और किसी भी तरह की सेवा या उत्पाद की सप्लाई के बगैर ही वह राशि अपने खाते में जमा करा टैक्स की चोरी करते हैं, अब उनकी खैर नहीं। केंद्र और राज्यों के टैक्स अधिकारियों ने ऐसे लोगों का पता लगाने के लिए दो महीने का एक विशेष अभियान शुरू किया है।

सख्त होगी कार्रवाई

टैक्स अधिकारी विशेष अभियान के दौरान त्वरित कार्रवाई करेंगे। अगर कहीं गड़बड़ी मिली तो टैक्स अधिकारी उसका वेरिफिकेशन करेंगे। वेरिफिकेशन के दौरान संबंधित टैक्स पेयर्स काल्पनिक पाया गया यानी उसका कोई कारोबार नहीं है, उसने फर्जी तौर पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन करा रखा है तो उसके जीएसटी रजिस्ट्रेशन को निरस्त कर दिया जाएगा। साथ में पेनल्टी भी लगाई जाएगी।

नियमों का पालन करना होगा

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा-शुल्क बोर्ड (CBIC) के दिशा-निर्देश के अनुसार जीएसटी के तहत पंजीकृत व्यापारियों को साइन बोर्ड में अपनी फर्म का नाम, पता, जीएसटी नंबर, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी लिखना होगा। इसके अलावा विशेष अभियान के तहत टैक्स अधिकारियों के मांगने पर उन्हें जीएसटी सर्टिफिकेट, बोर्ड ऐट गेट ऑफ बिजनेस प्लेस, अपना और अपने पार्टनर व डायरेक्टर का पैन व आधार नंबर, बिजली का बिल, बिल बुक और अगर दुकान व कार्यालय किराये पर हैं तो रेंट एग्रीमेंट दिखाना होगा। इनमें से किसी भी बात में चूक हुई तो टैक्स अधिकारी पेनल्टी लगा सकते हैं, जीएसटी रजिस्ट्रेशन को सस्पेंड कर सकते हैं और इनपुट टैक्स क्रेडिट लेने की सुविधा को खत्म कर सकते हैं।

सरकार को नुकसान

वित्त वर्ष 2022-23 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी कर चोरी होने का अनुमान है। इसे देखते हुए टैक्स अधिकारियों ने फर्जी पंजीकरण पर नकेल कसने की कवायद शुरू की है। सीबीआईसी के अनुसार इस तरह से बेईमान लोग संदिग्ध और जटिल लेनदेन के जरिए सरकार को राजस्व का भारी नुकसान पहुंचाते हैं। इस दौरान संदिग्ध जीएसटी खातों की पहचान करने के साथ ही फर्जी बिलों को जीएसटी नेटवर्क (GSTN) से बाहर करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

कच्चा तेल 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में मामूली गिरावट है। ब्रेंट क्रूड का भाव घटकर 75 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 71 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गया है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.03 डॉलर यानी 0.04 फीसदी की गिरावट के साथ 74.88 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। इसी तरह वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 70.86 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

उच्च पेंशन चुनने पर ईपीएस फंड में होगी वृद्धि, पर घटेगा ईपीएफ

एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने उच्च पेंशन पाने के लिए आवेदन की समय सीमा बढ़ाकर 26 जून, 2023 कर दी है। इससे पेंशनधारकों और मौजूदा अंशधारकों को आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। अगर आप चाहते हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद आपको भी नियमित मासिक आय मिलती रहे तो उच्च पेंशन का विकल्प चुन सकते हैं। इसमें फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या दूसरी छोटी बचत योजनाओं के मुकाबले बेहतर और गारंटी रिटर्न मिलता है।

दरअसल, ईपीएफओ ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) के तहत पेंशन योजना में कुछ बदलावों की घोषणा की है। नए नियमों के अनुसार, उच्च पेंशन का विकल्प चुनने वाले सदस्यों के वेतन से अतिरिक्त 1.16ङ्क राशि नियोक्ता के अंशदान (12 फीसदी) से ली जाएगी। ऐसे में अगर आप उच्च पेंशन का विकल्प चुनते हैं तो आपका ईपीएस फंड बढ़ जाएगा, जबकि ईपीएफ में कमी आएगी। इसलिए, यह जानना जरूरी है कि उच्च पेंशन का विकल्प आपके लिए फायदेमंद है या नहीं।

किसके लिए विकल्प

अगर आप ईपीएफओ में योगदान करते हैं और 10 साल की नौकरी पूरी कर ली है। ऐसे कर्मचारी जिन्होंने 5,000 या 6,000 रुपये के उच्चतर मानक वेतन से अधिक अंशदान किया है।

सेवानिवृत्ति नजदीक है तो चुन सकते हैं विकल्प

सेवानिवृत्ति नजदीक है तो यह विकल्प चुन सकते हैं। पिछले पांच साल में आपका वेतन उच्चतम सीमा पर था तो आपकी पेंशन आय अधिक होगी। सेवानिवृत्ति के बाद अधिक एन्यूटी भी मिल सकती है।?

-आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंक बाजार

ये है वृद्धि व कटौती का गणित

आपके प्रोविडेंट फंड (पीएफ) खाते में जमा राशि का एक हिस्सा कर्मचारी प्रोविडेंट फंड (ईपीएफ) में जाता है और दूसरा हिस्सा ईपीएस में। कर्मचारी हर महीने महंगाई भत्ते (डीए) के साथ अपने वेतन का 12 फीसदी ईपीएफ खाते में जमा करता है। इतना ही हिस्सा नियोक्ता भी जमा करता है, जिसमें से 8.33 फीसदी राशि ईपीएस में जाती है और बाकी 3.67 फीसदी हिस्सा ईपीएफ खाते में जमा होता है।

नए नियम के मुताबिक, नियोक्ता का योगदान ईपीएस में बढ़कर अब 9.49 फीसदी (8.33 फीसदीङ्क1.16 फीसदी) हो जाएगा। वहीं, ईपीएफ में यह घटकर 2.51 फीसदी (3.67 फीसदी-1.16 फीसदी) रह जाएगा। अतिरिक्त 1.16 फीसदी वही हिस्सा है, जिसका योगदान अब नियोक्ता को करना है।

जानिए, कितनी बनेगी पेंशन

वैसे तो ईपीएफओ ने अभी उच्च पेंशन की गणना के लिए कोई नया कैलकुलेटर जारी नहीं किया है। अगर पुराने कैलकुलेटर के आधार पर देखें तो...

अगर आपने 22 साल की उम्र में नौकरी शुरू की है और 58 वर्ष में सेवानिवृत्त हो रहे हैं तो आपने 36 साल तक नौकरी की है। मान लीजिए, ईपीएस से बाहर निकलने से पहले पिछले 60 महीनों में आपकी बेसिक सैलरी 40,000 रुपये है। इसी औसत वेतन पर कर्मचारी की पेंशन योग्य आय की गणना होगी। इसके लिए पेंशन योग्य वेतन को नौकरी करने की अवधि से गुणा कर उसमें 70 से भाग देना होगा। इस तरह आपकी मासिक पेंशन होगी... 40,000x36/70 = 20,571.42 रुपये।

अब ऑफिस में खूब छलके के जाम, सर्व होगी शराब-वाइन

दफ्तर में ही बना सकेंगे बार

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपका ऑफिस गुरुग्राम, फरीदाबाद या हरियाणा में कहीं भी है तो अब आप ऑफिस में बीयर या वाइन की बोलत खोल सकते हैं। आपको ऑफिस में पीने से कोई नहीं रोकेगा। ऑफिस की पार्टियों में अब जमकर जाम छलकेंगे। दरअसल हरियाणा सरकार ने अपनी एक्साइज पॉलिसी में बदलाव किया है, जिसके बाद प्रदेश के बड़े ऑफिस या कॉरपोरेट हाउस को अपने ऑफिस में बीयर, वाइन जैसे लो-कंटेंट वाले अल्कोहॉलिक ड्रिंक बेचने और पीने की इजाजत मिल गई है। सरकार की नई आबकारी नीति के बाद हरियाणा के ऑफिस में कर्मचारी दफ्तर में काम के बाद शराब पी सकेंगे।

सरकार के बदली पॉलिसी

हरियाणा सरकार ने एक्साइज पॉलिसी 2023-24 में बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद अब दफ्तरों में कर्मचारी शराब पी सकेंगे। ऑफिस में ही बार बनाया जा सकेगा। सरकार ने 9 मई को अपनी नई एक्साइज पॉलिसी लागू कर दी, जिसके बात अब कम के कम 5 हजार कर्मचारियों वाले कॉरपोरेट ऑफिस में बीयर, वाइन जैसे लो-कंटेंट वाले अल्कोहॉलिक ड्रिंक रखने की इजाजत मिल गई है। सरकार इसके लिए एक लाइसेंस थ्-10इ दिया जाएगा। हालांकि इसके लिए कई शर्तें भी है, जिसे पूरा करने के बाद ही कॉरपोरेट ऑफिस को ये लाइसेंस मिलेगा। हरियाणा सरकार के इस फैसले का लाभ गुरुग्राम, मानेसर और फरीदाबाद जैसे शहरों कॉरपोरेट और मल्टीनेशनल कंपनियों को होगा। खासकर उन ऑफिसों को , जिनके पास 1 लाख वर्ग फुट का स्पेस खुद का या लीज पर है। इस नीति का फायदा शराब कारोबारियों को भी होगा। सरकार ने शराब कारोबारियों को लाभ देने के लिए रेस्टोरेंट, पब और कैफे के लिए बार लाइसेंस की फीस कम कर दी है। हालांकि सरकार ने इवेंट और शो के दौरान शराब परोसने के लिए अस्थायी लाइसेंस के लिए आवेदन शुल्क बढ़ा दिया है। सरकार ने इसे 10 हजार से बढ़ाकर 50 हजार कर दिया है।

बैंकों में 'गुमनाम' पड़े ?35000 करोड़ का नहीं है कोई दावेदार, वारिस खोजने में जुटी सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी

बैंकों में लावारिस पड़े जाम रकम को लेकर सरकार बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। एफएसडीसी की बैठक में बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों में बिना दावे वाली रकम को सबंधित लोगों तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। आपको बता दें कि बैंकों में 35000 रुपये बिना दावे के रकम है, जिसका कोई दावेदार सामने नहीं आया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में फाइनेंशल स्टेबिलिटी ऐंड डिवेलपमेंट काउंसिल की बैठक में रेगुलेटर्स से कहा था कि वे बैंकिंग शेयर, डिविडेंड, म्यूचुअल फंड या इंश्योरेंस आदि के रूप में जहां भी बिना दावे वाली रकम पड़ी है, उसके सेटलमेंट के लिए विशेष अभियान चलाएं। ऐसे में पहला सवाल बनता है कि बिना दावे वाली रकम कौन सी है। इसका जवाब है - ऐसा कोई भी डिपॉजिट जिसमें दस साल या उससे ज्यादा समय से कोई गतिविधि नहीं देखी गई है। यानी रकम जमा करने वाले ने न तो फंड जमा किया और न ही उसे निकालने की जहमत की। ऐसा अमूमन तब होता है जब खाताधारक अपने चालू या बचत खाता जिसे वह अब इस्तेमाल नहीं करना चाहता, उसे बंद कराना भूल जाते हैं। या फिर बैंक में जमा एफडी को बैंक को सूचित किए बिना खाते में रखते हैं।

ऐसे भी मामले होते हैं जहां खाताधारक की मृत्यु हो चुकी होती है और नॉमिनी या कानूनी वारिस बैंक में जमा रकम को लेने के लिए दावा नहीं कर पाते। देश के तमाम खातों में जमा 35 हजार करोड़ रुपये बिना दावे वाली रकम को इस साल फरवरी में बैंकों ने रिजर्व बैंक के सुपुर्द किया था। ऐसे में अगर आपको जानना है कि आपका खाता भी इस कैटिगरी में है या नहीं, तो बैंक की नजदीकी शाखा जाकर पता किया जा सकता है। यही नहीं बैंक की वेबसाइट पर जाकर भी इसकी जानकारी ली जा सकती है। खाता ऐक्टिव करने के लिए बैंक आपसे आईडी दस्तावेज, अड्रेस प्रूफ और खाता इस्तेमाल न करने की वजह पूछ सकता है। हालांकि रिजर्व बैंक ऐसी रकम के लिए सेंट्रल वेब पोर्टल जल्द लाने जा रहा है।

महंगाई में कमी के बाद अब EMI में भी मिलेगी राहत! जानिए कैसे

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रिटेल के बाद अप्रैल के होलसेल महंगाई के आंकड़े भी आ गए हैं। अप्रैल में खुदरा महंगाई 4.70 फीसदी रही जो इसका 18 महीने का न्यूनतम स्तर है। थोक महंगाई भी -0.92 फीसदी पर आ गई जो इसका 34 महीने का न्यूनतम स्तर है। पिछले साल 11 महीने देश में खुदरा महंगाई आरबीआई (RBI) के टॉलरेंस लेवल से ऊपर रही थी। आरबीआई को इसे चार फीसदी रखने का लक्ष्य मिला है। इसमें दो फीसदी की घट-बढ़ हो सकती है। यानी यह दो से छह फीसदी तक रह सकती है। इससे ऊपर जाने पर आरबीआई को हस्तक्षेप करना होगा। केंद्रीय बैंक ने महंगाई को काबू में करने के लिए पिछले साल मई से रेपो रेट (repo rate) में 2.50 फीसदी की बढ़ोतरी की है। पिछले साल अप्रैल में यह चार फीसदी था जो अब 6.50 फीसदी पहुंच चुका है। इससे होम लोन समेत सभी तरह के लोन महंगे हो गए हैं। अब महंगाई के काबू में आने के बाद माना जा रहा है कि रेपो रेट में कटौती हो सकती है।

मई में आने वाले महंगाई के आंकड़ों से तय होगा कि जून में होने वाली आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी (MPC) में रेपो रेट में बढ़ोतरी होगी या नहीं। एमपीसी की पिछली बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया था। लेकिन उससे पहले लगातार कई बार रेपो रेट में बढ़ोतरी की गई। माना जा रहा है कि मई में खुदरा महंगाई चार फीसदी के आसपास रह सकती है। इससे ब्याज दरें बढ़ने की आशंका नहीं है। रेपो रेट बढ़ने से बैंक सभी तरह के लोन का ब्याज बढ़ा देते हैं। इसका असर सीधे ग्राहकों पर पड़ता है।

और नीचे आएगी महंगाई

अगर आरबीआई रेपो रेट में कटौती का फैसला करता है तो इससे लोन के ब्याज में राहत मिल सकती है। हालांकि इसका असर एफडी पर मिलने वाले ब्याज पर भी पड़ेगा। एफडी पर ब्याज दरों में कमी आएगी। लेकिन रिजर्व बैंक का फैसला मई में खुदरा महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। हालांकि कोर इन्फ्लेशन अप्रैल में 5.30 फीसदी रही। मतलब केवल खाने-पीने की चीजें ही सस्ती हुई हैं। ईंधन की कीमत में पिछले एक साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट से पेट्रोल-डीजल के रेट में कटौती की उम्मीद की जा सकती है। इससे आने वाले दिनों में महंगाई और नीचे आ सकती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा दुनिया का अंत या इसके सहारे दुनिया जीतने की लालसा

राजकुमार जैन
ख्यात लेखक और विचारक

अपनी भविष्यवाणी की गंभीरता और महत्व से लोगों को प्रभावित करने का एक कपटपूर्ण तरीका यह है कि या तो आप उन्हे एक पूर्वानुमान दीजिये या फिर एक तारीख, लेकिन दोनों एक साथ कभी मत दीजिये। ऐसा ही कुछ कृत्रिम बुद्दिमता द्वारा दुनिया को मिटा देने के बारे में हो रहा है। बड़ी शिद्धत से यह दावा तो किया जा रहा है कि एआई दुनिया को मिटा देगा लेकिन ऐसा वो कब करेगा इसका जवाब बड़ी चतुराई से टाल दिया जाता है ।

कृत्रिम बुद्धि को प्रलयकारी मानना एक स्वाभाविक मानवीय प्रतिक्रिया है। ऐसी कोई भी तकनीकी ईजाद जो बड़े बदलाव लाने के दावे के साथ बाजार में उतारी जाती है तो वो वृहद स्तर पर लोगों का ध्यान आकर्षित करती है और उसकी अनूगूंज चारो ओर सुनाई पड़ने लगती है। लेकिन जब इस अनोखी तकनीक के असीम शक्ति से लैस होने का भ्रम फैलाया जाता है तो वो सर्वनाश का भय पैदा करती है। हम इंसान अपनी सुरक्षा को लेकर अत्यधिक चिंतित रहते हैं और किसी भी नई चीज को शक की निगाह से देखते है। चैट जीपीटी, बार्ड या एलएलएम जैसी तकनीक की क्षमताओं और शक्तियों के बारे में बढ़ा-चढ़ा कर किए जा रहे दावे हमारे अवचेतन में असुरक्षा का भाव पैदा करते हैं और इस भय जनित घबराहट में हम प्रलय की कल्पना करने लग जाते हैं। पाषाण काल से यह चला आ रहा है कि जब भी किसी अनजानी शक्ति से हमें डर लगता है तो हम उसे देवता का दर्जा दे देते हैं। इस दुष्प्रचार के चलते एआई को हम उसी दृष्टि से देखने लगे है और उसके कुपित होकर मानवता को मिटा देने की चेतावनी से बदहवास होकर बौखलाये हुए हैं।

पिछले महीने वैश्विक प्रभाव रखने वाले बुद्धिजीवीयों और व्यवसाईयों के एक शक्तिशाली समूह ने पत्र लिखकर एआई के विकास पर रोक लगाने की मांग की है। और हाल ही में अग्रणी एआई शोधकर्ता जेफ्री हिंटन ने कहा कि उन्हें डर था कि एआई मानव बुद्धि से आगे निकल सकता है, और आसानी से दुर्भावनापूर्ण उपयोग में लाया जा सकता है। इन कारगुजारीयों से एआई की तीव्र गति से बहती विकास धारा पर कितना प्रभाव पड़ेगा यह कहना तो मुश्किल है। लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि इसने एआई के सर्वशक्तिमान या भस्मासुर का अवतार बनकर मानवता को नष्ट कर देने वाली चिंता से भरी चर्चाओं को बल प्रदान किया है।

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक दिन सम्पूर्ण मानवता का विनाश कर देगी' आज के इस आधुनिक संसार में यह विचार उतना ही बचकाना और विवेकशून्य है जितना कि फेसबुक द्वारा मेटावर्स की घोषणा के बाद वास्तविक रूप से मिलना जुलाना खत्म हो जाने की आशंका। वस्तुतः यह एक कारगर विज्ञापन की तरह प्रचार की एक तकनीक है। जिसका उपयोग सिलिकॉन वैली में बैठी दिग्गज तकनीकी कंपनीया अपने व्यवसायिक हितों के साधने, अपने उद्देश्यों की प्राप्ति और निजी फायदे के लिए इस्तेमाल करती हैं। वो अपने आप को महत्वपूर्ण साबित करने के लिए आपको सप्रयास यह समझाते हैं कि उनकी तकनीक इतनी शक्तिशाली है कि वो दुनिया का अस्तित्व मिटा सकती है।

एआई की महत्ता का बखान करने में यह प्रमुखता से बताया जाता है कि एआई के आने से गलत सूचनाए फैलने लगी है जो सृष्टि को गलत दिशा में ले जा सकती है। लेकिन निजी हितों को साधने के लिए असरदार लोगों द्वारा भ्रम की रचना करना और उसे लोगों के दिमाग में भरना, अफवाहे फैलाना, तथ्यों को तोरा मरोड़कर प्रस्तुत करना, इतिहास को अपनी सुविधानुसार बदलना यह सब कृत्य तो सदीयों से होते आ रहे है। ये तो तब भी होता था जब कंप्यूटर या एआई का अस्तित्व कल्पना में भी नही था। उस समय भी सिलसिलेवार ढंग से झूठ फैलाया जाता था, लोगों को बेवकूफ बनाया जाता था। वस्तुतः यह समस्या तकनीक की कम और राजनीतीक ज्यादा है। उदाहरण के लिए 2019 की पहली तिमाही में फेसबुक को 2.2 अरब फर्जी प्रोफाइल हटाने पड़े, एआई का इससे कोई लेना-देना नहीं था। जिनका इस्तेमाल राजनीतीक फ़ायदों के लिए किया जाता था। पक्षपात रहित पारदर्शी नजर से देखे तो एआई अभिशाप नही वरदान है। जिस एआई का सहारा लेकर जितनी मेहनत से एक झूठ गढ़ा जा सकता है उसी तकनीक का सहारा लेकर उससे कहीं अधिक सरलता से उस झूठ का पता लगाया जा सकता है।

पहले पहल जब कंप्यूटर आए थे तब भी इसी तरह का माहौल बनाया गया था। उसे लालबुझक्कड की तरह हर समस्या के समाधान में सक्षम एक अबूझ यंत्र की तरह प्रस्तुत किया गया था जिसका संचालन सीमीत हाथों द्वारा नियंत्रित था। लेकिन आज हम जानते हैं कि कंप्यूटर कोई हौवा नहीं है। और एआई चेतना रहित है। यह तो बस मानव रचित एल्गोरिदमिक निर्देशों की एक श्रृंखला भर है। निहीत सत्य तो यह है कि एआई मनुष्य के इशारों पर नाचने वाला एक खिलौना भर है, जिसका स्वामी मानव ही है। फिर भी ये ताकते अपने निजी फायदे के लिए हमें भयभीत कर एआई को शिवजी के तीसरे नेत्र की तरह प्रस्तुत कर हमारे भगवान बन जाना चाहती हैं। हमें इनके बहकावे से परे रहकर इनके इस षडयंत्र से सावधान रहने की जरूरत है।

एआई दुनिया को मिटा देगा यह कपट भरा विचार सुनते सुनते अब कान पक चुके हैं। इस बात के विरुद्ध आप यह तर्क रख सकते हैं कि मैं लंबे समय से इस काल्पनिक प्रलय की भविष्यवाणीयां सुनते आ रहा हूँ। एआई की मानव पर विजय को फिल्मों में देखता आ रहा हूँ और एआई जनित सर्वनाश के बारे में विज्ञान फंतासी कथाओं में पढ़ता आ रहा हूँ लेकिन दुनिया आज भी कायम है और आगे भी रहेगी। अब तो मुझे इस बात पर तब ही विश्वास होगा जब मैं स्वयं अपनी आंखो के सामने दुनिया को मिटते हुए देखूंगा।

हर पाँच में से एक व्यक्ति हाई ब्लड प्रेशर का शिकारः डॉ. राकेश जैन

इंदौर। आईपीटी न्यूज नेटवर्क

बीते कुछ वर्षों में भारत में युवाओं में हाई ब्लड प्रेशर के मामले बहुत अधिक बढ़े हैं। यह भी देखने में आया है कि विशेष रूप से ऊपरी तौर पर फिट दिखने वाले व्यक्तियों में इसकी सम्भावनाएँ काफी अधिक बढ़ी हैं। गौर करने वाली बात है कि जो लोग इसका शिकार होते हैं, उनमें से कई लोगों को इसके बारे में जानकारी ही नहीं होती है। यह चिंता का विषय है। ऐसे में, इसके लक्षणों से देश के युवाओं को अवगत कराना काफी अहम् हो जाता है, ताकि आने वाली समस्याओं से समय रहते ही पार पाया जा सके और बेहतर इलाज से एक बार फिर स्वस्थ जीवनशैली का पालन किया जा सके।

वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे के मौके पर शहर के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ, डॉ. राकेश जैन, महावीर हार्ट क्लिनिक तथा डायग्नोस्टिक सेंटर, गीता भवन ने हाई ब्लड प्रेशर के बारे में जानकारी दी है। इस वर्ष वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे की थीम 'अपने ब्लड प्रेशर को मापें, इसे नियंत्रित करें, और एक लंबा जीवन जीएँ' रखी गई है।

सबसे पहले जान लें, हाई ब्लड प्रेशर होता क्या है

हमारे शरीर में रक्त एक सामान्य प्रेशर रेंज के साथ प्रवाहित होता है, जिससे यह पर्याप्त मात्रा में हमारे शरीर के विभिन्न भागों में सुचारु रूप से पहुँचता है। जब शरीर में इसकी पहुँच सामान्य रेंज से अधिक होने लगती है, तो इसे हाई ब्लड प्रेशर कहा जाता है।

भारत में ब्लड प्रेशर की वर्तमान स्थिति

हमारे देश में लगभग 20 करोड़ लोग हाई ब्लड प्रेशर से ग्रसित हैं। यह लगभग 25% कुल मृत्यु के लिए जिम्मेदार है। आईसीएमआर की रिपोर्ट की मानें, तो सिर्फ 28% लोग ही अपने ब्लड प्रेशर से परिचित हैं। इनमें से सिर्फ 15% लोग ही इसका इलाज ले रहे हैं और सिर्फ 12.5% लोगों का ब्लड प्रेशर नियंत्रण में है।

लक्षण भी जान लें

हाई ब्लड प्रेशर के कोई विशिष्ट लक्षण नहीं होते हैं। लेकिन बारीकी से देखा जाए, तो कुछ लोगों में चिड़चिड़ापन, थकान, कमजोरी, सिरदर्द, आँखों के चारों तरफ जकड़न आदि जैसे सामान्य लक्षण देखने में आते हैं। अलग से कोई विशेष लक्षण न दिखने पर मरीज कई जटिलताओं के साथ आता है, इसलिए कई बार इस बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है।

किन कारणों से होता है हाई ब्लड प्रेशर

सामान्य तौर पर व्यायाम की कमी, तनाव की अधिकता, संतुलित जीवनशैली की कमी या गुर्दे से संबंधित बीमारी होने के कारण शरीर में हाई ब्लड प्रेशर पनपने लगता है। वहीं मधुमेह से ग्रसित लोगों में इसकी सम्भावना 2-3 गुना बढ़ जाती है। कम उम्र के लोग अधिक मात्रा में हाई ब्लड प्रेशर से ग्रसित होने लगे हैं, जिसके मुख्य कारण तनाव, अनिद्रा, अत्यधिक सोचना और धूम्रपान हो सकते हैं।

हाई ब्लड प्रेशर के दुष्परिणाम और उपचार

शरीर के हर एक भाग पर हाई ब्लड प्रेशर का प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। मुख्य रूप से हार्ट अटैक, ब्रेन हेमरेज (लकवा), किडनी फैल हो जाना, हार्ट फैल्युअर आदि को इसके दुष्परिणामों के रूप में देखा जाता है। हाई ब्लड प्रेशर की जकड़ में आने से बचने के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना बेहद जरुरी है। पानी की मात्रा अधिक करने के साथ ही अपने भोजन में नियमित रूप से हरी सब्जी, सलाद, फल, ड्राई फ्रूट्स और फाइबर फूड्स का अधिक से अधिक इस्तेमाल करें। साथ ही, नमक, मिठाई, फास्ट फूड और तेल का कम से कम इस्तेमाल करें। अपनी दिनचर्या में 45 मिनट ऐरोबिक व्यायाम और योग को शामिल करें। 7-8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। धूम्रपान और शराब का सेवन न करें। अपने ब्लड प्रेशर की नियमित रूप से जाँच करें। ब्लड प्रेशर की समस्या होने पर अपने कार्डियोलॉजिस्ट से उसका समुचित इलाज जरूर लें। इससे भविष्य में होने वाली ब्लड प्रेशर की संभावित परेशानियों से निजात पाया जा सकता है।

34 महीने के न्यूनतम स्तर पर थोक महंगाई, जुलाई 2020 के बाद पहली बार जीरो से नीचे

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

महंगाई के मोर्चे पर अच्छी खबर है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई में भी अप्रैल में गिरावट आई है। थोक कीमतों पर आधारित महंगाई (WPI) अप्रैल में घटकर 34 महीने के निचले स्तर शून्य से 0.92 प्रतिशत नीचे आ गई। खाद्य, ईंधन और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में कमी से यह राहत मिली। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई में लगातार 11 महीनों से गिरावट जारी है और अप्रैल में यह शून्य से नीचे चली गई। इससे पहले जून 2020 में डब्ल्यूपीआई महंगाई शून्य से 1.81 प्रतिशत नीचे थी। डब्ल्यूपीआई महंगाई मार्च में 1.34 प्रतिशत और पिछले साल अप्रैल में 15.38 प्रतिशत थी। खाद्य पदार्थों की महंगाई भी अप्रैल में घटकर 3.54 प्रतिशत रह गई, जो मार्च में 5.48 प्रतिशत थी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा, 'अप्रैल, 2023 में महंगाई की दर में गिरावट मुख्य रूप से बुनियादी धातुओं, खाद्य उत्पादों, खनिज तेल, कपड़ा, गैर-खाद्य वस्तुओं, रासायनिक और रासायनिक उत्पादों, रबर और प्लास्टिक उत्पादों तथा कागज और कागज उत्पादों की कीमतों में कमी के चलते हुई।' ईंधन और बिजली खंड की महंगाई मार्च में 8.96 प्रतिशत से घटकर अप्रैल में 0.93 प्रतिशत रह गई। अप्रैल में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई शून्य से 2.42 प्रतिशत नीचे थी, जबकि मार्च में यह 0.77 प्रतिशत थी। डब्ल्यूपीआई में गिरावट अप्रैल के महीने में खुदरा महंगाई में कमी के अनुरूप है। इस दौरान खुदरा महंगाई 18 महीने के निचले स्तर 4.70 प्रतिशत पर थी।

आरबीआई की नजर

अप्रैल में हंगाई में भारी गिरावट आई है। सबसे ज्यादा उत्साहित करने वाली बात यह है कि आरबीआई की छह फीसदी की ऊपरी सीमा से कम है। आरबीआई देश का केंद्रीय बैंक है और देश की मॉनीटरी पॉलिसी को रेगुलेट करने की जिम्मेदारी उसी के पास है। आरबीआई की देश में महंगाई की स्थिति पर करीबी नजर है। उसने महंगाई को तो फीसदी के मार्जिन के साथ चार फीसदी के नीचे रखने का टारगेट सेट किया है। इसका मतलब यह है कि अगर महंगाई दो से छह फीसदी के बीच रहती है तो यह आरबीआई की टॉलरेंस लिमिट के भीतर है।

कदंब का फूल आपकी परेशानियों को कर सकता है छूमंतर, जानिए इसके अचूक उपाय

संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

हिंदू धर्म में फूलों का काफी महत्व होता है। ज्योतिष शास्त्र के मुताबित अपनी परेशानी के खत्म होने के संकल्प के साथ यदि फूलों से जुड़े कुछ अचूक उपाय किए जाएं तो इससे लाभ मिलता है। कदंब के फूल से आप अपनी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

हिंदू धर्म में फूलों का पूजा-पाठ में इस्तेमाल किया जाता है। भगवान को प्रसन्न करने के लिए उन्हें फूल अर्पित किए जाते हैं। इसके अलावा वातावरण को शुद्ध और खुशनुमा बनाए जाने के लिए भी कई तरह के फूलों का उपयोग होता है। बता दें कि हिंदू धर्म में हर फूल का अपना महत्व बताया गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के मुताबकि फूलों के जुड़े कुछ अचूक उपायों को अपनाने के व्यक्ति कई तरह की समस्याओं से निजात पा सकता है। इन उपायों को करने से आपको निश्चित तौर पर लाभ मिलेगा। आइए जानते हैं कदंब के फूलों के कुछ अचूक उपायों के बारे में...

जानिए कदंब के फूलों के अचूक उपाय

■कदंब के फूलों को अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है। बता दें कि यह फूल भगवान श्रीकृष्ण को अत्यंत प्रिय हैं। इसलिए यदि इन फूलों को भगवान श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाए तो व्यक्ति पर उनका हमेशा आशीर्वाद बरसता है।

■पौराणिक कथाओं और धार्मिक ग्रंथो के मुताबिक जब भगवान श्री कृष्ण गोपियों के साथ रासलीला रचाया करते थे। तब वह कदंब के पेड़ पर बैठकर बांसुरी बजाते थे।

■आपको बता दें कि यमुना के किनारे निधिवन के पास आज भी वह कदंब का पेड़ मौजूद है। हजारों की संख्या में आज भी श्रद्धालु इस कदंब के पेड़ के दर्शन के लिए आते हैं। इसके अलावा यमुना किनारे मौजूद कदंब के पेड़ की पूजा भी की जाती है।

■मान्यता के अनुसार, श्री कृष्ण को कदंब के फूल अर्पित करने से कृष्ण जी की कृपा बरसती है। कदंब का फूल चढ़ाने से श्रीकृष्ण प्रसन्न होते हैं। वहीं व्यक्ति की परेशानियों का भी अंत होता है।

■श्री कृष्ण को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता के अनुसार, श्रीहरि विष्णु को कदंब का फूल अर्पित करने से गुरु ग्रह अनुकूल होता है। कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति अनुकूल होने से व्यापार, नौकरी और शिक्षा आदि के क्षेत्र में लाभ होता है।

■घर के मुख्य द्वार पर कदंब के फूल को तोरण के रूप में लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है। साथ ही राहु का दुष्प्रभाव कम होने के साथ ही घर में सुख-शांति का माहौल बना रहता है।

■मंदिर या तिजोरी में कदंब के फूल को रखने से व्यक्ति को लक्ष्मी नारायण का आशीर्वाद मिलता है। आर्थिक तंगी दूर होने के साथ ही धनलाभ होता है। अगर व्यक्ति पर कर्ज होता है, तो वह भी खत्म हो जाता है।

■वैदिक ज्योतिष के अनुसार, अगर कदंब के फूल को श्री कृष्ण चमत्कारिक मंत्र के साथ त्वचा पर रोजाना पीसकर लगाया जाए। इससे चर्म रोग से निजात मिलता है।

■पति-पत्नी को साथ में कदंब के फूल को भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी को अर्पित करना चाहिए। इससे दंपति के वैवाहिक जीवन में मधुरता आने के साथ ही प्रेम संबंध अत्यधिक मजबूत होता है।

शनि देव को इस आसान उपाय से करें प्रसन्न, साढ़े साती और ढैय्या के कष्ट भी होंगे कम

श्री रघुनंदन जी
9009369396
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तुविद
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन द्वारा गोल्ड मेडलिस्ट

हिंदू धर्म में जहां कई देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना करने का विधान है। शनि देव कर्मों के आधार पर व्यक्ति को उसका फल देते हैं। शनि देव को न्याय का देवता कहा गया है। सनातन धर्म में जहां यमराज मृत्यु के देवता हैं तो वहीं शनि देव कर्म के दंडाधिकारी हैं। माना जाता है व्यक्ति से गलती जान कर हो या अंजाने में व्यक्ति को उसका फल तो भोगना ही पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग शनि देव को क्रूर माना जाता है। आइए जानते हैं शनि देव के बारे में कि आप किन उपायों से शनि देव को प्रसन्न कर सकते हैं।

कैसे बढ़ती हैं मुश्किलें

शनि देव के बारे में मान्यता है कि वह अपनी चाल से या राशि में आकर व्यक्ति को उसके कर्मों का फल देते हैं। इसमें सबसे बुरी स्थिति तब मानी जाती है, जब किसी को शनि की साढ़े साती और ढैय्या लगती है। या फिर व्यक्ति की कुंडली में शनि के अशुभ प्रभाव के कारण वह किसी रोग से पीड़ित हो।

शनि की कृपा

शनिदेव न्याय के विधान से बंधे होने की वजह से गलत कर्मों का फल जरूर देते हैं। कुछ अनजाने में हुई गलतियों पर अत्यधिक दंड न देते हुए शनि देव उस दंड को सामान्य कर देते हैं। कहा जाता है कि यदि शनि देव किसी पर प्रसन्न हो जाएं तो उस व्यक्ति का भाग्य चमक उठता है। लेकिन वहीं शनि देव किसी पर क्रोधित हो जाएं तो वह व्यक्ति पल भर में राजा से रंक बन जाता है। इसी वजह से लोग हमेशा शनि देव से भयभीत रहते हैं।

इन लक्षणों से पहचानें शनि की स्थिति

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घर में तेल, राई, दालें का नुकसान होने लगे या फैलने लगे, भोजन से बिना कारण अरुचि होने लगें, अलमारी हमेशा अव्यवस्थित होने लगे, परिवार में पिता से अनबन होने लगे, सिर और पिंडलियों में या कमर में दर्द बना रहे, चिड़चिड़ाहट होने लगे, शरीर में हमेशा थकान या पढ़ने-लिखने से या लोगों से मिलने से उकताहट होने लगे और आलस भरा रहे, नहाने-धोने से अरुचि हो, नए कपड़े खरीदने या पहनने का मौका न मिलना आदि स्थितियां शनि ग्रह की अशुभता की ओर इशारा करती हैं।

ऐसे करें शनिदेव को खुश

शनि देव को कुछ आसान उपायों से प्रसन्न किया जा सकता है। कुंडली में शनि की साढ़े साती या ढैया की स्थिति और उसके अशुभ प्रभावों को कम करने के कुछ अचूक उपाय है। इन उपायों को शनिवार को करना चाहिए। यह उपाय जल्द ही शुभ फल देते हैं।

शनि के दुष्प्रभाव को दूर करने के लिए शनिवार को काली गाय की सेवा करनी चाहिए। गाय को पहली रोटी खिलाकर उसका सिंदूर का तिलक करें। इसके बाद काली गाय के सींग में मौली बांधकर उसे मोतीचूर के लड्डू खिलाएं। फिर गाय के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें।

शनिवार को बंदरों को भुने हुए चनें खिलाना चाहिए। काले कुत्ते को मीठी रोटी पर तेल लगाकर खाने को दें।

वट और पीपल वृक्ष के नीचे प्रत्येक शनिवार को सूर्योदय से पहले कड़वे तेल का दीपक जलाकर शुद्ध कच्चा दूध और धूप अर्पित करें।

अपने हाथ के नाप का 29 हाथ लंबा काला धागा लेकर शनिवार को उसको बंटकर माला की तरह गले में धारण करें।

शनि ढैया के प्रभाव को कम करने के लिए क्रवार की रात 8 सौ ग्राम काले तिल पानी में भिगोकर रख दें। फिर शनिवार की सुबह इन्हें पीसकर उसे गुड़ में मिला लें। फिर इन लड्डू को काले घोड़े को खिला दें। आठ शनिवार तक यह उपाय करने से इसके शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे।

शनि की साढ़ेसाती झेल रहे व्यक्ति को शनिवार के दिन अंधेरा होने पर पीपल के पेड़ पर मीठा जल अर्पित करें। फिर सरसों के तेल का दीपक जलाकर वहीं पर हनुमान, भैरव और शनि चालीसा का पाठ करें। इसके बाद पीपल की सात बार परिक्रमा करें।

हर शनिवार के दिन हनुमान जी के दर्शन करें। इसके साथ ही शनिदेव को तेल चढ़ाकर दशरथकृत शनि स्त्रोत का पाठ करें।

शनिवार को करें ये अचूक उपाय

एक्सपर्ट के अनुसार, शनि देव को प्रसन्न करने का सबसे अचूक उपाय शनिवार के दिन मां काली की पूजा करना माना गया है। माता काली को शनि ग्रह को नियंत्रित करने वाली देवी माना गया है। शनि देव के प्रकोप से बचने के लिए मां काली की शरण लेनी चाहिए। मां काली को प्रसन्न करने से शनि देव भी प्रसन्न हो जाते हैं। कुंडली में शनि देव की कृपा खराब होने पर भी यदि मां काली को प्रसन्न कर लिया जाए तो शनिदेव किसी भी व्यक्ति को अत्यधिक दंडित नहीं करते हैं।

अन्य उपाय

■भोजन में दोनों समय काला नमक और काली मिर्च का प्रयोग करें

■शनि की अशुभ दशा चलने पर मांस-मदिरा से दूरी बनाकर चलनी चाहिए।

■घर के किसी अंधेरे हिस्से में लोहे की कटोरी में सरसों का तेल भरकर रख दें और कटोरी में तांबे का सिक्का डालकर रख दें।

दैनिक उपाय

■रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करें।

■सोलह सोमवार का व्रत करना चाहिए।

■स्फटिक या पारद शिवलिंग पर रोजाना गाय का कच्चा दूध चढ़ाकर शुद्ध जल चढ़ाएं और ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करें।

■प्रदोष व्रत करना चाहिए।

■शनि ग्रह को शांत करने के लिए पीपल के पेड़ पर हर शनिवार को सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

■घोड़े की नाल का छल्ला धारण करें।

■हनुमानजी के सामने संकटमोचन का पाठ करें।

शनिवार को जरूर करें यह व्रत

शनिवार को सुबह जल्दी स्नान आदि कर शनिदेव की प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। शनिवार के दिन शनि मंदिर में शनि देव को नीले लाजवंती के फूल, तिल, तेल, गुड़ अर्पित करें। शनि देव के नाम से दीपोत्सर्ग करें। फिर पूजा के दौरान जाने-अंजाने हुए पापों के लिए क्षमा मांगे। शनिदेव की पूजा के बाद राहु-केतु की भी पूजा करनी चाहिए। शनिवार के दिन पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाकर उसकी सात बार परिक्रमा करनी चाहिए।

शनिवार की शाम को शनि मंदिर में दीप भेंट करना चाहिए। शनि महाराज को उड़द दाल में खिचड़ी बनाकर भोग लगाना चाहिए। काली चींटियों को गुड़ और आटा डालना चाहिए। शनिवार के दिन काले रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। पूरी श्रद्धा से व्रत करने से शनि का कोप शांत रहता है।

हीरो मोटोकॉर्प ने एक्सपल्स 200 लॉन्च की

एडवेंचर मोटरसाइकिल बेहतरीन प्रदर्शन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत मोबिलिटी समाधान लाने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, मोटरसाइकिल और स्कूटर बनाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने आज ऑल-न्यू ओबीडी-छ और ई20 कॉम्प्लाएंट एडवेंचर मोटरसाइकिल, एक्सपल्स 200 4वॉल्व को लॉन्च किया। एक्सपल्स 200 4वी में ई20 के अनुकूल इंजन लगा हुआ है जो 20ड्ड तक के एथेनॉल-मिश्रित गैसोलीन मिश्रण पर चल सकता है। यह मोटरसाइकिल सेल्फ डॉयग्नॉस्टिस सिस्टम ऑन-बोर्ड डायग्नोस्टिक्स (ओबीडी) के साथ आती है, जो वाहन में किसी भी गड़बड़ी या खराबी का पता लगाने में मदद करता है और यूजर को एक मालफंक्शन इंडीकेटर लाइट (एमआईएल) के माध्यम से गड़बड़ी के बारे में बताता है। इस मोटरसाइकिल को सभी तरह की सड़कों पर गाड़ी चलाने वाले नए जमाने के राइडर जो एडवेंचर के लिए हमेशा तैयार रहते

हैं, को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हीरो एक्सपल्स 200 4वी को रोमांच और आराम के बेजोड़ अनुभव के साथ बनाया गया है। नए-नए एर्गोनॉमिक्स और लाइटिंग टेक्नोलॉजी से लेकर उन्नत ब्रेकिंग मोड्स की सुविधा के साथ, हीरो एक्सपल्स 200 4वी हर उस जगह पर जाने की इजाजत देती है जहां तक आप अभी नहीं गए हैं। इसे दो वैरिएंट - बेस और प्रो में लॉन्च किया गया है। एक्सपल्स 200 4वी देश भर में हीरो मोटोकॉर्प की डीलरशिप पर 1,43,516 रुपये (बेस) और 1,50,891 रुपये (प्रो) की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध है। हीरो मोटोकॉर्प के चीफ ग्रोथ ऑफीसर (सीजीओ) रंजीवजीत सिंह ने कहा, 'ई20 और ओबीडी-2 कॉम्प्लाएंट एक्सपल्स 200 4वी की पेशकश स्थायी तरीके से प्रीमियम सेगमेंट पर हमारे फोकस को मजबूती से पेश करती है। एक्सपल्स भारत और हमारे वैश्विक बाजारों में ग्राहकों के बीच तेजी से हमारी सबसे लोकप्रिय प्रीमियम मोटरसाइकिलों में से एक बन गई है। यह मोटरसाइकिल नए जमाने के घूमने के शौकीन लोगों की जरूरतों को पूरा करती है जो पर्यावरण के अनुकूल विकल्प चुनने के बारे में समान रूप से जागरूक हैं। एडवेंचर और ऑफरोड थ्रिल के लिए उनकी आकांक्षाओं को पूरा करते हुए, नई एक्सपल्स 200 4वी राइडर्स को एकदम अलग अनुभव प्रदान करना चाहती है। साथ ही इसमें सभी प्रमुख मोर्चों - प्रदर्शन, कनेक्टिविटी, तकनीक और स्टाइलिंग पर महत्वपूर्ण प्रगति की गई है।'

ब्लैक + डेकर और इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ ने भारत में बड़े अप्लायंसेज़ लॉन्च

लाईसेंसिंग पार्टनरशिप में एयरकंडीशनर्स, लॉन्ड्री मशीन और रेफ्रिजरेटर शामिल होंगे

आईपीटी नेटवर्क

बैंगलोरपॉवर टूल्स, होम प्रोडक्ट्स और आउटडोर पॉवर ईक्विपमेंट में ग्लोबल लीडर, ब्लैकहृडेकर ब्रांड ने बैंगलोर स्थित अग्रणी टेक्नॉलॉजी एवं इनोवेशन कंपनी, इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ के साथ लाईसेंसिंग साझेदारी की घोषणा की है, जिसके अंतर्गत भारत में बड़े अप्लायंसेज़ की प्रीमियम श्रृंखला पेश की जाएगी।

स्टेनली ब्लैक एंड डेकर के कमर्शियल डायरेक्टर लाईसेंसिंग, अमित दत्ता ने कहा, ''होम प्रोडक्ट्स में ग्लोबल लीडर के रूप में हम ग्राहकों को प्राथमिकता देते हुए क्षेत्र में अपने उत्पादों की उपलब्धता बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम अपने ब्रांड पोर्टफोलियो का विस्तार कर उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करने और इन नए उत्पादों के साथ घर के काम संभालना आसान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

इंडकल टेक्नॉलॉजीज़ के सीईओ, आनंद दुबे ने कहा, ''हमें इस आकर्षक वेंचर के लिए ब्लैक एंड डेकर के साथ काम करने की खुशी है। ब्लैकहृडेकर ब्रांड अपने शानदार उत्पादों के लिए मशहूर है, जिसमें टेक्नॉलॉजी और डिज़ाईन का बेहतरीन मिश्रण है।'' उन्होंने बताया, ''अप्लायंसेज़ की यह नई लॉन्च की गई श्रृंखला न केवल एस्थेटिक और प्रीमियम अहसास प्रदान करेगी, बल्कि अनेक इन्ट्यूटिव विशेषताओं के साथ फंक्शनलिटी भी प्रदान करेगी। हम अपने उपभोक्ताओं को इन उत्पादों का अनुभव प्रदान करने का उत्सुकता से इंतजार कर रहे हैं।''

कार सीट बेल्ट अलार्म स्टॉपर खतरनाक! CCPA ने ई-कॉमर्स कंपनीज पर लिया एक्शन, अब नहीं खरीद पाएंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

ई-कॉमर्स कंपनियां अपने प्लेटफॉर्म से कार सीट बेल्ट अलार्म को बंद करने वाले उपकरणों (Car Seat Belt Alarm Stopper) की बिक्री नहीं कर सकेंगी। उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने अमेजन और फ्लिपकार्ट सहित पांच ई-कॉमर्स कंपनियों को अपने प्लेटफॉर्म से ऐसे उपकरणों को हटाने का आदेश दिया है। नियामक ने कहा कि ये उपकरण सीट बेल्ट न पहनने पर अलार्म की आवाज को रोकते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा से समझौता होता है।

वेबसाइट्स से हटाएं ऐसे उपकरण

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (CCPA) ने अमेजन, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील, शॉपक्लूज और मीशो से कहा है कि वे कार सीट बेल्ट के अलार्म को बंद करने वाले 'स्टॉपर क्लिप' और संबंधित कलपुर्जों को अपने प्लेटफॉर्म से स्थायी रूप से हटा दें।

कंपनियों ने हटाए 13,118 स्टॉपर क्लिप

सीसीपीए के इस आदेश के बाद 5 ई-कॉमर्स कंपनियों ने अपने मंच से 13,118 कार सीट बेल्ट अलार्म स्टॉपर क्लिप हटा दिया है। नियामक ने एक बयान में कहा कि अमेजन ने 8,095 ऐसी क्लिप को हटा दिया है। वहीं, फ्लिपकार्ट ने करीब 5,000 क्लिप को हटाया है। इसके अलावा सीसीपीए ने राज्यों के मुख्य सचिवों और जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर ऐसे उपकरण बनाने और बेचने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को भी कहा है।

एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड और ज़ेनकेन कॉरपोरेशन का

भारतीय कुशल श्रमिकों को जापानी कंपनियों में बढ़ावा देने के लिए बिजनेस एलायंस

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एनएसडीसी इंटरनेशनल लिमिटेड (यहां इसके बाद एनएसडीसीआई के रूप में संदर्भित), भारत के राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (यहां इसके बाद एनएसडीसीआई के रूप में संदर्भित) की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडरी ने 20 मार्च, 2023 को ज़ेनकेन कॉर्पोरेशन (हेडक्वार्टरः शिंजुकु-कु, टोक्यो; अध्यक्षः जुन्नोसुके हयाशी) के साथ एक समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ है। समझौता ज्ञापन में कहा गया है कि दोनों पक्ष आईटी इंजीनियरों सहित अत्यधिक कुशल मानव संसाधनों की स्वीकृति को मजबूत करने में सहयोग करेंगे, साथ ही नर्सिंग केयर फील्ड में विशिष्ट कुशल मानव संसाधन भी शामिल होंगे।

इस बिजनेस एलायंस का उद्देश्य जापानी कंपनियों के लिए भारतीय कुशल श्रमिकों के प्रशिक्षण और रोजगार में सहयोग करना, भारतीय मानव संसाधनों के उपयोग पर एजुकेशनल सेमिनार और कार्यक्रम आयोजित करना और भारत से जापान में भारतीय मानव संसाधनों की स्वीकृति को बढ़ावा देना है। पहले कदम के रूप में, 25 अप्रैल, 2023 को 'सेकंड जापान-इंडिया इंडस्ट्री- एकेडेमिया-गवर्नमेंट ओपन फोरम इवेंट' आयोजित किया गया था, जिसकी मेजबानी एनएसडीसी, निप्को इंक, ज़ेनकेन होन्शा कॉर्पोरेशन, ओटा सिटी इंडस्ट्री एंड इकोनॉमी डिपार्टमेंट, और ओटा सिटी इंडस्ट्रियल प्रमोशन एसोसिएशन द्वारा की गई थी। मानव संसाधन के क्षेत्र में जापान और भारत के बीच संबंधों और समझ को बढ़ावा देने के लिए, एनएसडीसीआई और ज़ेनकेन कॉर्पोरेशन एक दूसरे के साथ सहयोग करेंगे।

उत्तरी अमेरिका - अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए भारतीय फास्टनर उद्योग के लिए एक संभावनापूर्ण बाजार : फियो

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

फास्टनर उद्योग का एक 20 सदस्यीय फियो व्यवसाय प्रतिनिधिमंडल 16 से 17 मई, 2023 तक अमेरिका के नैशविले फास्टनर मेले में भाग ले रहा है। दक्षिण पूर्व अमेरिका की भारत की महावाणिज्यदूत डॉ. स्वाति वी कुलकर्णी ने फियो अध्यक्ष डॉ. ए शक्तिवेल, फियो के डीजी एवं सीईओ डॉ. अजय सहाय, सिटी ऑफ गेलाटिन की मेयर सुश्री पेज ब्राउन, गेलाटिन इकोनोमिक डेवलपमेंट के कार्यकारी निदेशक श्री जेम्स फेंटन और पूर्व केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री श्री डी नेपोलियन ने भी उद्घाटन समारोह में भाग लिया और सहभागियों के साथ परस्पर बातचीत की।

महावाणिज्यदूत ने नवोन्मेषी उत्पादों के लिए भारतीय प्रतिभागियों की सराहना की और उम्मीद जताई कि अमेरिका के फास्टनर मेले से भारतीय और अमेरिकी दोनों ही कंपनियों के व्यवसाय अवसरों में वृद्धि होगी। डॉ. स्वाति ने सहभागियों को अमेरिकी बाजार में विकास के लिए गुणवत्ता का सख्ती से अनुपालन करने की सलाह दी। उन्होंने अमेरिका में फास्टनरों के बड़े आयातकों की पहचान करने और अमेरिका में संबंधित एजेन्सियों के सहयोग से उनकी विश्वसनीयता की जांच करने में सहभागियों की सहायता की।

डॉ. ए शक्तिवेल ने कहा कि भारतीय कंपनियों ने गहन तकनीकी विकास किया है और हल्के वजन वाले उन्नत उत्पादों तथा हाइब्रिड फास्टनरों को प्रस्तुत किया है जिनका पूरे औद्योगिक क्षेत्रों विशेष रूप से ऑटोमोटिव, विमान और अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है। फियो अध्यक्ष ने कहा कि चूंकि भारत बहुत प्रतिस्पर्धी कीमत पर उच्च गुणवत्ता के उत्पादों को पेश कर सकता है, अमेरिकी कंपनियां भारत से इन उत्पादों की खरीद कर अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकती है।

डॉ. अजय सहाय ने आशा जताई कि भारतीय फास्टनर उद्योग सेक्टर अगले पांच वर्षों में अपना बाजार हिस्सा दोगुना करने के लिए अमेरिकी बाजारों में गहरी पैठ बना सकता है। वैश्विक औद्योगिक फास्टनर बाजार का आकार लगभग 90 बिलियन डॉलर का है और निर्माण क्षेत्र के अतिरिक्त ऑटोमोटिव तथा एयरोस्पेस सेक्टरों में औद्योगिक फास्टनरों के लिए बढ़ती मांग के कारण इसमें और वृद्धि होने की उम्मीद है। अमेरिका वर्ष 2022 के दौरान 16.50 बिलियन डॉलर के आयात के साथ चीन, जर्मनी, जापान एवं दक्षिण कोरिया के बाद दुनिया में फास्टनरों का पांचवां सबसे बड़ा आयातक देश है।

फास्टनर का भारत का बाजार का आकार 4.6 बिलियन डॉलर है और ऑटो तथा निर्माण क्षेत्र की मजबूत घरेलू मांग के कारण केवल 780-800 मिलियन डॉलर का निर्यात करता है। बहरहाल, भारतीय कंपनियों ने इस क्षेत्र की गतिशील बाजार स्थितियों से निपटने के लिए मजबूत अनुसंधान एवं विकास समर्थन के साथ गुणवत्तापूर्ण मानकों का अनुपालन करते हुए बड़ी मात्रा में शामिल होना शुरु कर दिया है। इसलिए, फियो का अनुमान है कि 2025 तक फास्टनर का निर्यात 1.5 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। नैशविले में अत्यधिक सफल आयोजन की उम्मीद करते हुए फियो का विचार है कि यह कार्यक्रम अमेरिकी बाजार में व्यवसायों के विस्तार के लिए नए व्यावसायिक अवसरों और विचारों का सृजन करेगा।

राइजिंग ऋषभ

इंदौर के उभरते क्रिकेट खिलाड़ी ऋषभ चौहान के अर्धशतक से u-19 इंडिया पेटीएम चैलेंजर्स ट्रॉफी में इंडिया ग्रीन ने इंडिया येलो को 25 रन से शिकस्त दी।

शहर के ऋषभ चौहान ने **u-19** इंडिया पेटीएम चैलेंजर्स ट्रॉफी जो की श्री अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम लखनऊ में चल रही,अपनी टीम इंडिया ग्रीन के लिये अर्धशतक लगा कर खुद को एक बार फिर साबित किया है। इंडिया येलो ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण चुना,वही इंडिया ग्रीन ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 49.3 ओवर खेलते हुए 198 का लक्ष्य दिया। ऋषभ चौहान ने सर्वाधिक रन 4 चोक और 1 छक्के की बदौलत 50 रन बनाये और साथी ए.एस आहूजा ने 48 बनाये।जवाब में इंडिया येलो 173 पर ही सिमट गई। ऋषभ चौहान ने अपने 3.4 ओवर में 17 रन देते हुए 2 विकेट झटके जिससे की इंडिया ग्रीन कि जीत हुई।

"मैं आज जो भी हूँ मेरे कोचेस और मेरे माता पिता की मेहनत से हूँ मैं उनका आभारी हूँ (ऋषभ चौहान)

जब सचिन तेंदुलकर ने ऋषभ की तारीफ़ कि

चौहान ने **NCA** (नेशनल क्रिकेट अकैडमी) में हिस्सा लिया जो की हिमाचल (धर्मशाला) में हुआ था। वह खुद को सँभाल नहीं पा रहे थे जब गॉड ऑफ़ क्रिकेट सचिन तेंदुलकर उनके पास आये और उन्हें बैटिंग के फ्लो के बारे में बताया और कहा की आप सही दिशा में हो,राहुल द्रविड़ सिर ने भी बैटिंग टिप्स दी।

परफॉरमेंस बोलता है

विजय मर्चेंट ट्रॉफी u-16
449 रुन्स और 18 विकेट्स

विनु मंकड़ ट्रॉफी u-19
450 रुन्स और 7 विकेट्स

क्वाड्रंगुलर सीरीज u-19 इंडिया जो की इंडिया-A,इंडिया-B,अफ़ग़ानिस्तान और नेपाल के बीच थी, ऋषभ ने उसमे 110 रुन्स और 4 विकेट झटके

गली क्रिकेट से भारतीय टीम का सफ़र

ऋषभ चौहान,जिन होने बल्ला 5 साल की उम्र में पकड़ा था जो कि अपने रहवासी क्षेत्र कलानी नगर में धुआँधार बल्लेबाज़ी के लिये जाने जाते थे। ऋषभ ने भारतीय दल का कभी नहीं सोचा था मगर उनका प्रदर्शन उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मैदानों तक ले गया।कलानी नगर की गलियों में जब जब वहाँ गेंद का सामना करने आते थे वह गेंद घुमा देते थे या फिर कभी लोगों की खिड़कियों के काँच रॉड देते थे अपने तेज़ शॉट्स से।

क्रिकेट के प्रति लगाव देख कर उनके पापा अशोक उन्हें 2012 में स्तर क्लब ले गये,कुछ सालों बाद फिर ~अझ्ए अकैडमी में शिफ्ट करवा दिया गया।सीधे हाथ के बल्लेबाज़ और लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिन गेंदबाज़ ने वॉइस बिहार ट्रॉफी में 710 रन बनाये और 18 विकेट भी झटके और टीम मध्य प्रदेश फाइनल भी खेली ऋषभ की कप्तानी में। अब वह रणजी की तैयारी कर रहे है?

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।